

No. of Printed Pages : 7

BES-016

**DIPLOMA IN ELEMENTARY
EDUCATION (D. El. Ed.)**

Term-End Examination

June, 2023

**BES-016 : LIFE ENRICHMENT AND
SELF-DEVELOPMENT**

Time : 3 Hours

Maximum Weightage : 70%

***Note :** All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

‘Knowing others is wisdom, knowing yourself is enlightenment.’ Elaborate the statement and suggest various ways to develop self-awareness.

Or

Discuss the psychological and sociological perspectives of self.

P. T. O.

2. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the stages involved in problem-solving method. As a teacher, how would you nurture problem-solving behaviour among your students ?

Or

What do you understand by the concept 'tolerance' ? Suggest ways of promoting tolerance among children.

3. Answer any **four** of the following questions in about **150** words each :
- (a) Differentiate between self-esteem and self-concept.
 - (b) What is the basis of building successful relationships in the context of school environment ?
 - (c) Elaborate the role of schools and family in promoting one's aims of life.
 - (d) How can education facilitate conflict resolution ? Give examples.

- (e) Suggest some techniques for becoming a positive thinker.
- (f) Examine the gender and personality differences in perception and management of stress.

4. Answer the following question in about **600** words each :

As a teacher, discuss your role as an agent of social change by citing examples from your school environment.

BES-016

प्रारम्भिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी. एल. एड.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.ई.एस.-016 : जीवन समृद्धि तथा आत्मविकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

'दूसरों को जानना बुद्धिमानी (विजडम) है, अपने आप (स्वयं) को जानना प्रबोधन/ज्ञानोदय (एनलाइटनमेंट) है।'

इस कथन का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए और आत्मबोध/आत्मज्ञान (सेल्फ-अवेयरनेस) विकसित करने के विविध तरीके/युक्तियाँ सुझाइए।

अथवा

स्व/आत्म के मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्यों की परिचर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

समस्या समाधान विधि में निहित चरणों की परिचर्चा कीजिए। एक शिक्षक के रूप में आप विद्यार्थियों में समस्या समाधान व्यवहार का विकास किस प्रकार करेंगे ?

अथवा

‘सहनशीलता’ (टॉलरेन्स) की अवधारणा से आप क्या समझते हैं ? बच्चों में सहनशीलता को बढ़ाने के तरीके सुझाइए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए :

(क) स्वाभिमान (सेल्फ-एस्टीम) और आत्म/स्व अवधारणा (सेल्फ-कॉन्सेप्ट) में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(ख) विद्यालय वातावरण के सन्दर्भ में सफल-सम्बन्धों के निर्माण का आधार क्या है ?

(ग) किसी के जीवन उद्देश्यों को उन्नत करने में विद्यालय और परिवार की भूमिका का सविस्तार प्रतिपादन कीजिए।

(घ) शिक्षा अन्तर्द्वन्द्व-समाधान को किस प्रकार सहज बना सकती है ? उदाहरण दीजिए।

(ङ) एक सकारात्मक चिन्तक/विचारक बनने के लिए कुछ तकनीकें सुझाइए।

(च) अवबोधन (परसेप्शन) और तनाव के प्रबन्धन में लिंग (जेन्डर) और व्यक्तित्व की भिन्नताओं का परीक्षण कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

एक शिक्षक के रूप में अपने विद्यालय वातावरण से उदाहरण देते हुए सामाजिक परिवर्तन के एक अभिकर्ता के रूप में अपनी भूमिका की परिचर्चा कीजिए।